बढ़ते प्रतिभा पूल की बदौलत भारतीय क्रिकेट एक'बेहद शक्तिशाली' ताकत के रूप में विकसित हुआ है और यह अब देश के सुदूर कोने तक भी फैल गया है। भारतीय क्रिकेट के बढ़े हुए स्तर का उदाहरण घरेलू क्रिकेट से दिया।

- राहुल द्रविड़

पूर्व भारतीय दिग्गज खिलाड़ी, भारतीय क्रिकेट का उज्जवल भविष्य बताया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शुभमन गिल

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 8 सितंबर को अपना 25वां जन्मदिन मना रहे हैं। काफी कम समय में शुभमन गिल ने भारतीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है और वो क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया के रेगुलर खिलाड़ी बन चुके हैं। गिल इस समय भारतीय टी20 और वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं और उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के रूप में भी देखा जा रहा है। शुभमन गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी भी की थी।वो इस समय वर्ल्ड क्रिकेट में वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक ऐसा क्रिकेटर नहीं हुआ है जिसने नंबर 1 से 11 तक हर क्रम पर बल्लेबाजी की हो।,

जैवलिन थ्रो में भारत के नवदीप का सिल्वर बदला गोल्ड मेडल में

ईरानी खिलाड़ी के डिसक्वालीफाई होने का मिला फायदा

पेरिस, 8 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के सिल्वर मेडल को गोल्ड में बदल दिया गया। ये पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला गोल्ड मेडल पदक है। इसी के साथ भारत के 7 गोल्ड मेडल के साथ कुल 29 पदक हो गए हैं।

नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की। तीन साल पहले तोक्यो पैरालिंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालिंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली।

सादेघ ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया। फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया। सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था।

इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड धारक चीन के सन पेंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के नुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है। नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

पैरालिंपिक 2024 में भारत का बेहतरीन प्रदर्शन

भारत ने रिकॉर्ड 29 पदकों के साथ समापन किया

भारत मेडल टैली में 18वें नंबर पर रहा

पेरिस, 8 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत का सफर खत्म हो गया है। 8 सितंबर को कैनो स्प्रिंट में पूजा ओझा विमेंस 1 200 मीटर फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। मौजूदा गेम्स में भारत काये आखिरी इवेंट रहा। पेरिस पैरालिंपिक में भारत का सफर बेहतरीन रहा। अबकी बार भारत ने रिकॉर्ड 29 मेडल हासिल किए। इसमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत मेडल टैली में 18वें नंबर पर रहा है। भारत ने मेडल टैली में स्विट्जरलैंड, साउथ कोरिया बेल्जियम और अर्जेंटीन जैसे देशों को पीछे छोड़ा है।

देखा जाए तो पैरालिंपिक गेम्स में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और पिछले रिकॉर्ड्स ध्वस्त हो गए हैं। इससे पहले पैरालिंपिक गेम्स में भारत का सर्वश्रेष्ठ ध्वस्त हो गए हैं। इससे पहले पैरालिंपिक गेम्स में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टोक्यो में रहा था। टोक्यो में भारत ने 5 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। कुल 19 मेडल्स के साथ तब भारत ने 24वां स्थान हासिल किया था।वहीं भारत ने इस बार एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल जीते। इसमें चार गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पैरा बैडमिंटन है जिसमें एक गोल्ड के साथ 5 पदक और आए। पैरा शूटिंग में एक गोल्ड समेत 4 मेडल हासिल हुआ। उधर पैरा आर्चरी में भारत ने एक गोल्ड समेत 2 पदक और पैरा जूडो में 1 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। पहली बार भारत ने पैरालिंपिक गेम्स में इतने ज्यादा गोल्ड मेडल जीते हैं।

मोईन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन, 8 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली सफेद गेंद सीरीज के लिए टीम में नहीं चुने जाने पर इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया हैं। मोईन ने डेली मेल को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं 37 साल का हो गया हूं और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली सफेद गेंद श्रृंखला के लिये मेरा चयन नहीं हुआ। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेला है और अब अगली पीढ़ी का समय है, जैसा मुझे समझाया गया। मुझे लगा यही सही समय है अपने योगदान को विराम देने का।

उन्होंने कहा, अभी भी मैं कह सकता हूं कि इंग्लैंड के लिए खेलने की कोशिश जारी रखूंगा, लेकिन सच्चाई ये है कि ऐसा नहीं कर पाऊंगा। यहां तक कि मैं संन्यास इसलिए नहीं ले रहा कि मैं अब बेहतर नहीं खेल सकता - मुझे अब भी अपने ऊपर विश्वास है कि मैं खेल सकता हूं। लेकिन ये ऐसे ही चलता है, टीम एक अलग दिशा में जाती है। लिहाजा मैं अपने साथ ईमानदार रहना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, मुझे अपने ऊपर गर्व है। जब आप पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते हैं तो, ये नहीं पता होता है कि आप कितने मैच खेलने वाले हैं। लिहाजा 300 के आस-पास मैच खेलना बड़ी बात है। मैंने अपने करियर के शुरुआती कुछ साल टेस्ट क्रिकेट अधिक खेला। जब मॉर्गन सीमित ओवर के कप्तान बने तो फिर ज्यादा मजेदार सफर रहा। लेकिन टेस्ट क्रिकेट ही क्रिकेट का सर्वोच्च रूप था। उन्होंने फ्रैंचाइज क्रिकेट को लेकर कहा, मैं अभी भी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा, इसलिए कुछ फ्रैंचाइज क्रिकेट में खेलूंगा। लेकिन कोचिंग एक ऐसी चीज है जिसे मैं आगे जाकर करना चाहूंगा और वहां भी मैं सर्वश्रेष्ठ होने का प्रयास करूंगा।

मैंने ब्रैंडन मक्कलम से काफी कुछ सीख सकता हूं। मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक जिंदादिल इंसान के तौर पर जाने। मैंने कई अच्छे शॉट्स लगाए हैं तो कई खराब शॉट्स भी खेले हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि लोग मेरा खेल पसंद करते थे। मोईन ने अली ने 2014 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए बतौर ऑलराउंडर 68 टेस्ट, 138 एकदिवसीय और 92 टी-20 मैच खेले। इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर (सभी प्रारुप) में मोईन ने 6678 रन, आठ शतक, 28 अर्धशतक और 366 विकेट लिए। उन्होंने आखिरी बार इंग्लैंड का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रतिनिधित्व इसी वर्ष गयाना में किया था, जहां टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को भारत के हाथों हार मिली थी।

एरिना सबालेंका ने जीता यूएस ओपन

अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया

न्यूयॉर्क, 8 सितम्बर। बेलारूसी स्टार एरिना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 53 मिनट तक चला। 26 साल की सबालेंका पहली बार साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम की सिंगल्स कैटेगरी में चैंपियन बनी हैं। सबालेंका का यह ओवरऑल 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। वे इसी साल ऑस्ट्रेलिया ओपन 2024, 2023 में भी चैंपियन बनी थीं। वहीं, डबल्स कैटेगरी में 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। मेंस सिंगल्स कैटेगरी का फाइनल वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर और अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज के बीच खेला जाएगा। सिनर ने ब्रिटेन के ड्रैपर को 7-5, 7-6, 6-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई, जबकि अमेरिकी प्लेयर फ्रिट्ज ने सेमीफाइनल में अपने पुराने दोस्त और हमवतन फ्रांसिस टियाफो को 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराया। फ्रिट्ज 18 साल बाद ओपन मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले 2006 में एंडी रॉडिक ने यह कारनामा किया था।

एथलीड गोवा चैलेंजर्स ने जीता इंडियन ऑयल यूटीटी का खिताब

चेन्नई, 7 सितंबर। हरमीत देसाई और यांगजी लियू की अगुआई में एथलीड गोवा चैलेंजर्स ने शनिवार को इंडियनऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस 2024 के रोमांचक फाइनल में 2018 की चैंपियन दबंग दिल्ली टीटीसी को 8-2 से हराकर अपने खिताब को बरकरार रख कर इतिहास रच दिया। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में हरमीत और यांगजी ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करने से पहले अपने-अपने एकल मैच जीते और एथलीड गोवा चैलेंजर्स के लगातार दूसरे खिताब की ओर ऐतिहासिक कदम बढ़ाने में मदद की। हरमीत को टाई का भारतीय खिलाड़ी चुना गया, जबकि यांगजी को टाई का विदेशी खिलाड़ी चुना गया। पूरे सीजन में अपराजित रहने वाली यांगजी ने लीग की सबसे मूल्यवान (एमवीपी) महिला खिलाड़ी का खिताब भी अपने नाम किया। साथियान ज्ञानसेकरन को पुरुषों में एमवीपी चुना गया।

इब्राहिम जादरान चोटिल, न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में खेलना संदिग्ध

ग्रेटर नोएडा, 8 सितम्बर। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान का यहां चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले अफगानिस्तान के टेस्ट मैच से पहले टीम के अंतिम अभ्यास सत्र के दौरान 22 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के टखने में चोट लग गई। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में बताया, "अभ्यास सत्र में इब्राहिम (जादरान) के टखने में चोट लग गई थी। मैं अभी पूरी तरह से यह नहीं कर सकता हूं कि कल मैच से पहले उनकी क्या स्थिति होगी। हमें इस मामले में इंतजार करना होगा।"

जादरान ने अफगानिस्तान के नौ में से सात टेस्ट खेले हैं। उन्होंने इस प्रारूप में अपना पहला शतक इस साल फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ लगाया था। अफगानिस्तान को इस टेस्ट में पहले से ही स्पिनर राशिद खान की सेवाएं नहीं मिल रही है। लगातार बारिश के कारण इस ऐतिहासिक टेस्ट के लिए अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड की तैयारी प्रभावित हो रही है।

एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय हॉकी टीम ने चीन को 3-0 से हराया

हुलुनबुइर, 8 सितंबर। मौजूदा चैंपियन भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 टूर्नामेंट में मेजबान चीन पर 3-0 से जीत दर्ज की। पेरिस ओलिंपिक के बाद अपना पहला टूर्नामेंट के खेल रहे भारत की ओर से सुखजीत सिंह (14वें मिनट में), उत्तम सिंह (27वें मिनट में) और अभिषेक (32वें मिनट में) ने गोल दागे। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने अपने चिर-परिचित अंदाज में शुरुआत की और पहले क्वार्टर में चीन आक्रामक खेल का मुजाहिरा किया लेकिन भारत ने अपनी शानदार रक्षापंक्ति की बदौलत चीन को गोल करने का मौका नहीं दिया। इस बीच भारतीय टीम ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर 1-0 से बढ़त बना ली। यह गोल 14वें मिनट में सुखजीत सिंह दागा।

इसके बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दूसरे क्वार्टर की बेहतरीन शुरुआत करते हुए खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही अभिषेक ने दूसरा गोल करने प्रयास किया चीन के गोलकीपर ने इस प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद 28वें मिनट में भारत के उत्तम सिंह ने फील्ड गोल कर अपनी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में भी अपना दबदबा कायम रखा और 32वें मिनट में अभिषेक ने तीसरा गोल दागा। वहीं, चीन के खिलाड़ियों ने इस गोल करने प्रयास किया, लेकिन वो भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने में विफल रहे। चौथा क्वार्टर गोल रहित रहा। भारतीय टीम और चीन ने पेनल्टी कॉर्नर जरूर हासिल किए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

मैच के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा खेला। हमने कुछ अच्छे मौके बनाए लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि हमने क्लीन शीट बरकरार रखी। उन्होंने कहा, कुछ नए खिलाड़ियों को प्रदर्शन करने का मौका मिला और मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत अच्छा खेला। यह उनके लिए एशियाई टीमों के साथ खेलने और सीनियर टीम के साथ घुलने-मिलने का अच्छा मौका है। इससे पहले दिन में पाकिस्तान बनाम मलेशिया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। जबकि दक्षिण कोरिया और जापान का रोमांचक मैच खेला जो 5-5 पर समाप्त हुआ। अब भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार को जापान से भिड़ेगी।

सिमरन ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में जीता कांस्य पदक

पेरिस, 8 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत को 28वां मेडल सिमरन शर्मा ने दिलाया है। सिमरन ने महिलाओं की 200मीटर12 ट्रैक एंड फील्ड में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।भारत अब तक 6 गोल्ड, 9 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। ट्रैक एंड फील्ड एथलीट में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

सिमरन ने 24.75 सेकेंड का नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। क्यूबा की ओमारा डूरंड एलियास ने 23.62 सेकेंड के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि वेनेजुएला की एलेजांद्रा पाओला पेरेज़ लोपेज ने 24.19 सेकेंड के साथ सिल्व मेडल जीता।

पैरा एथलेटिक्स में ये भारत का 16वां ब्रॉन्ज पदक है। कुल मिलाकर, भारत ने अब तक चल रहे सीजन में 28 पदक जीते हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन सिमरन के कोच उनके पति गजेंद्र सिंह हैं जो सेना सेवा कोर में कार्यरत हैं। वह नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में प्रशिक्षण लेती हैं। पैरालिंपिक खेलों में टी12 श्रेणी दृष्टिबाधित एथलीटों के लिए है।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 3-0 से टी-20 सीरीज हराई

एडिनबरा, 8 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को तीसरे टी-20 में 6 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया। एडिनबरा में खेले गए आखिरी मुकाबले में स्कॉटलैंड ने 9 विकेट खोकर 149 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवर में 4 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया से कैमरन ग्रीन ने 39 बॉल पर 62 रन बनाए। उन्होंने गेंदबाजी से 3 विकेट भी लिए, इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। एडिनबरा में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग चुनी। स्कॉटलैंड को अच्छी शुरुआत मिली, जॉर्ज मुन्सी ने 25, ओली हेयर्स ने 12 और ब्रेंडन मैक्मुलेन ने 56 रन बना दिए। 8 ओवर में टीम ने 67 रन के स्कोर पर 2 ही विकेट गंवाए थे। अच्छी शुरुआत के बाद टीम ने तेजी से विकेट गंवा दिए।

इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज रावलपिंडी और मुल्तान में होगी : नकवी

लाहौर, 8 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा है कि इंग्लैंड के साथ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला रावलपिंडी और मुल्तान में खेली जाएगी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में चल रहे काम का जायजा लेने के बाद नकवी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुल्तान और रावलपिंडी तीनों टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे। नकवी ने कहा, ईसीबी ने मुल्तान और रावलपिंडी में टेस्ट खेलने के प्रति अपनी रजामंदी दे दी है।

पूजा पैराकैनो महिला 200 मीटर स्पर्धा में फाइनल में जगह बनाने से चूकी

पेरिस, 8 सितंबर। भारतीय एथलट पूजा ओझा पेरिस पैरालिंपिक के आखिरी दिन रविवार को हुई पैराकैनो महिला 200 मीटर एकल केएल1 स्पर्धा के सेमीफाइनल में चौथे स्थान रही और फाइनल में जगह बनाने से चूक गई। आज यहां आयोजित स्पर्धा में पूजा पुरजोर प्रयास करने के बावजूद अंततः 1:17.23 के समय के साथ सेमीफाइनल मुकाबले में चौथे स्थान पर रहीं। इसके साथ ही भारत का पेरिस पैरालिंपिक 2024 में अभियान समाप्त हो गया है।

भारत 2030 युवा ओलिंपिक के लिए दावेदारी पेश करेगा : मनसुख मांडविया

नयी दिल्ली, 8 सितम्बर। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत 2030 में होने वाले युवा ओलिंपिक के लिए बोली लगाने के लिए तैयार है, जो 2036 में होने वाले ओलिंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

वर्ष 2030 में पांचवें युवा ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। मांडविया ने यहां एशियाई ओलिंपिक परिषद (ओसीए) की 44वीं महासभा के अवसर पर कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 2030 में होने वाले युवा ओलिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने जा रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान 2036 ओलिंपिक की मेजबानी पर है।"

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, "मोदीजी के नेतृत्व में हमने क्रिकेट विश्व कप, फुटबॉल अंडर-17 विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया।" युवा ओलिंपिक 2023 की मेजबानी हासिल करने के लिए भारत के अलावा पेरू, कोलंबिया, मैक्सिको, थाईलैंड, मंगोलिया, रूस, यूक्रेन, बोस्निया और हर्जेगोविना भी दौड़ में शामिल हैं।

इंडिया-बी के सामने पस्त हुई इंडिया-ए की टीम

इंडिया-बी 76 रनों से जीता मुकाबला

बेंगलुरु, 8 सितंबर। रिषभ पंत (61) और सरफराज खान (46) की संघर्षपूर्ण पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया बी ने रविवार को दिलीप ट्रॉफी के चौथे और आखिरी इंडिया ए टीम को 198 के स्कोर पर ढ़ेर कर 76 रन से मुकाबला जीत लिया है।

इंडिया ए ने कल के दो विकेट पर 27 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया था कि 13वें ओवर में नवदीप सैनी ने इंडिया ए के कप्तान शुभमन गिल (21) को पंत के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद इंडिया ए को ध्रुव जुरेल (शून्य) और तनुष कोटियान (शून्य) के दो और झटके लगे। इस दौरान के एल राहुल एक छोर थामे रहे। राहुल ने (57) रनों की धैर्यपूर्ण पारी खेली। शिवम दुबे (14), कुलदीप यादव (14), आवेश खान (3) और आकाश दीप (43) रन बनाकर आउट हुये। खलील अहमद (4) रन बनाकर नाबाद रहे। इंडिया बी के गेंदबाजों के आगे इंडिया ए के एल राहुल और अकाश दीप के अलावा कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। इंडिया ए की पारी 53 ओवर में 198 रन पर सिमट गई। यश दयाल ने तीन विकेट लिये। मुकेश कुमार और नवदीप सैनी को दो-दो विकेट मिले। वॉशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले रिषभ पंत (61) और सरफराज खान (46) की संघर्षपूर्ण पारियों की मदद से भारत बी ने दलीप ट्राफी के रोमांचक मुकाबले के तीसरे दिन शनिवार को भारत ए के खिलाफ छह विकेट पर 150 रन बना कर 240 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त बनायी थी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गेंदबाज़ों के लिए मददगार पिच पर तीसरे दिन का खेल खत्म होने के समय इंडिया बी के वशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंडिया बी की पारी का मुख्य आकर्षण ऋषभ पंत की 47 गेंदों पर 61 रन की विस्फोटक पारी रही। उन्होने यह रन नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से बनाये। पंत ने अपने नैसर्गिक खेल का प्रदर्शन उस समय किया कि जब भारत बी अपनी पकड़ खोता दिख रहा था। वह ऑफ स्पिनर तनुश कोटियन के शिकार बने, लेकिन उनकी पारी ने शुरुआती झटकों के बाद पारी में जरूरी गति ला दी। सरफराज खान ने 36 गेंदों में 46 रनों की जोरदार पारी खेली। वह आवेश खान की तेज गेंद को छूने के प्रयास में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों आउट हुये।

इससे पहले, इंडिया ए पहली पारी में 90 रन से पिछड़ते हुए 231 रन पर आउट हो गई। तनुश कोटियन (32) और आकाश दीप (11) ने हालांकि कुछ देर तक संघर्ष किया। खलील अहमद आखिरी खिलाड़ी के रूप में आउट हुए।

रणधीर ओसीए अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बने

नयी दिल्ली, 8 सितम्बर। अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलिंपिक परिषद के अध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय बन गये। उन्हें रविवार को यहां इस महाद्वीपीय संस्था की 44वीं आम सभा के दौरान यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। पांच बार के ओलिंपिक निशानेबाज रणधीर ओसीए अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र योग्य उम्मीदवार थे। उनका कार्यकाल 2024 से 2028 तक रहेगा।उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया। यह 77 वर्षीय कुशल प्रशासक 2021 से ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष थे। उन्होंने कुवैत के शेख अहमद अल-फहद अल-सबा की जगह ली है, जिन पर नैतिकता के उल्लंघन के कारण इस साल मई में खेल प्रशासन से 15 साल का प्रतिबंध लगा दिया गया था। भारतीय और एशियाई खेल संस्थाओं में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर रहे।